दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
DSSSB PRT, TGT & PGT
ROJGAR With ANKIT
Part(A+B)
SCHOLAR BATCH
हिन्दी
सन्धि
02
LIVE 15-03-2024 09:00 AM

(2)- गुण सन्धि = यदि अ/आ का मेल इ/ई से हो तब 'ए' तथा अ/आ का मेल उ/ऊ से हो तब 'ओ' एवं अ/आ का मेल 'ऋ' से हो तब 'अर्' (ऺ) में परिवर्तित हो जाता है।

अथवा

ट्रिक - शब्द के दूसरे या तीसरे वर्ण पर (ए, ओ, अर्)

99%. अर्थात सिंगल मात्रा (े, ो, ऺ) का बोध हो। वहाँ गुण सन्धि होती है।

✓ अ + इ/ई = ए
✓ आ + इ/ई = ए

✓ अ + उ/ऊ = ओ
✓ आ + उ/ऊ = ओ

अ + ऋ = अर्
आ + ऋ = अर्

अ + इ = ए

शुभ + इच्छु = शुभेच्छु

स्व + इच्छा = स्वेच्छा

अन्त्य + इष्टि = अन्त्येष्टि

इतर + इतर = इतरेतर

मानव + इतर = मानवेतर

देव + इन्द्र = देवेन्द्र

अ + ई = ए

खग + ईश = खगेश

गण + ईश = गणेश

सर्व + ईश्वर = सर्वेश्वर

उप + ईक्षा = उपेक्षा

सोम + ईश = सोमेश

परम + ईश्वर = परमेश्वर

9818489147

आ + इ = ए

महा + इन्द्र = महेन्द्र

सुधा + इन्दु = सुधेन्दु

राजा + इन्द्र = राजेन्द्र

रमा + इन्द्र = रमेन्द्र

यथा + इष्ट = यथेष्ट

आ + ई = ए

- गुडाका + ईश = गुडाकेश
- उमा + ईश = उमेश
- महा + ईश्वर = महेश्वर
- राजा + ईश = राजेश
- लंका + ईश = लंकेश
- राका + ईश = राकेश

अ + उ = ओ

सर्व + उत्तम = सर्वोत्तम

प्राप्त + उदक = प्राप्तोदक

यज्ञ + उपवीत = यज्ञोपवीत

सह + उदर = सहोदर

बाल + उचित = बालोचित

जीर्ण + उद्धार = जीर्णोद्धार

अन्याय + उपाय = अन्यायोपाय

कठ + उपनिषद् = कठोपनिषद्

स + उदाहरण = सोदाहरण

समास + उक्ति = समासोक्ति

भाग्य + उदय = भाग्योदय

अ + ऊ = ओ

नव + ऊढ़ा = नवोढ़ा

जल + ऊर्मि = जलोर्मि

सूर्य + ऊर्जा = सूर्योर्जा

समुद्र + ऊर्मि = समुद्रोर्मि

आ + उ = ओ

महा + उत्सव = महोत्सव

गंगा + उदक = गंगोदक

महा + उदय = महोदय

कथा + उपकथन = कथोपकथन

आ + ऊ = ओ

महा + ऊर्जा = महोर्जा

महा + ऊर्मि = महोर्मि

महा + ऊष्मा = महोष्मा

गंगा + ऊर्मि = गंगोर्मि

अ + ऋ = अर्

देव + ऋषि = देवर्षि

सप्त + ऋषि = सप्तर्षि

शीत + ऋतु = शीतर्तु

ब्रह्म + ऋषि = ब्रह्मर्षि

आ + ऋ = अर्

महा + ऋण = महर्ण

महा + ऋषि = महर्षि

महा + ऋद्धि = महर्द्धि

सदा + ऋतु = सदर्तु

गुण समाप्त

✓

③- वृद्धि सन्धि - यदि अ/आ का मेल ए/ऐ से हो तब 'ऐ' तथा अ/आ का मेल ओ/औ से हो तब 'औ' हो जाता है।

अथवा

ट्रिक- शब्द के दूसरे या तीसरे वर्ण पर 'ऐ, औ' अर्थात डबल मात्रा (ै, ौ) का बोध हो वहाँ वृद्धि सन्धि होती है।

अ + ए/ऐ = ऐ

आ + ए/ऐ = ऐ

अ + ओ/औ = औ

आ + ओ/औ = औ

त् + र → अ

अ+ ए = ऐ

तत्र + एव = तत्रैव

दिन + एक = दैनिक

लोक + एषणा = लोकैषणा

एक + एक = एकैक

अ + ए = ऐ = ऐ

अ + ऐ = ऐ

धन + ऐश्वर्य = धनैश्वर्य

भाव + ऐक्य = भावैक्य

मत + ऐक्य = मतैक्य

आ + ए = ऐ

सदा + एव = सदैव

तथा + एव = तथैव

आ + ऐ = ऐ

महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य

रमा + ऐश्वर्य = रमैश्वर्य

अ + ओ = औ

परम + ओज = परमौज

उष्ण + ओदन = उष्णौदन

दन्त + ओष्ठ = दन्तौष्ठ

अ + औ = औ

परम + औदार्य = परमौदार्य

परम + औषध = परमौषध

आ + ओ = औ

महा + ओज = महौज

महा + ओजस्वी = महौजस्वी

आ + औ = औ

महा + औदार्य = महौदार्य

महा + औषधि = महौषधि

(4)- यण् सन्धि = जब इ, ई, उ, ऊ, ऋ का मेल किसी अन्य स्वर से हो तब यह क्रमशः य, व, र, ल में परिवर्तित हो जाते हैं।

अथवा

ट्रिक- शब्द का पहला या दूसरा वर्ण आधा हो और उस आधे वर्ण के बाद अन्तस्थ (य, व, र, ल) व्यंजन हो तब वहाँ यण् सन्धि होती है।

लृ + आकृति = लाकृति

इ + अन्य स्वर = य
ई + अन्य " = य

उ + अन्य स्वर = व
ऊ + अन्य स्वर = व

ऋ + अन्य स्वर = र

य = इ + य

इ + अ = य

इ यदि + अपि = यद्यपि

इ वि + अवसाय = व्यवसाय

इ अति + अधिक = अत्यधिक

इ + आ = या

इति + आदि = इत्यादि

अति + आचार = अत्याचार